AUDIO VIDEO Play

भजन

तर्ज :- मुहब्बत की झूठी कहानी पे रोये

चरण इन कमल पर वारी रे वारी, इन चरणों से निसबत हमारी

1. हृदय में जब चरण ये आये, नींद भरम की पास ना आये
इनके उजाले मिटे अन्धियारी, वारी.....

2. इन चरणों में नूर समाया, धरती अम्बर भी जगमगाया
देखेगी कोई देखनहारी, वारी..

3. अर्श किया दिल इन चरणोंने, अपनी खिलवत इन चरणों में
कोमल चरण महा सुखकारी, वारी..

4. चरणों बैठा साथ भराय, जित थें हमको खेल दिखाये
परआतम चरणों में हमारी, वारी..